हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, बुधवार 29 अक्टूबर 2025

तापमान

अधिकतम 29.0 डिग्री

न्यूनतम 23.0 डिग्री

14 चक्रवात तूफान मोंथा ने यात्री ट्रेनो के पहिये रोके, यात्री परेशान

14 सहस्त्रबाहु जयंती पर निकाली कलश यात्रा

खबर संक्षेप

अधिकारियों-कर्मचारियों ने ली सत्यनिष्ठा की शपथ

जगदलपुर। केंद्रीय सतर्कता आयोग के सतर्कता जागरुकता सप्ताह के तहत कलेक्टोरेट में अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा देश की आर्थिक-सामाजिक विकास की दिशा में सत्यनिष्ठा के साथ अनवरत दायित्व निर्वहन करने की शपथ ली गई। इस दौरान सभी ने देश की आर्थिक, राजनीतिक तथा सामाजिक प्रगति में भ्रष्टाचार के विरूद्ध सतर्क होकर सदैव ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों के प्रति वचनबद्धता के साथ जीवन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी तथा कानून के नियमों का पालन करने, सभी कार्य ईमानदारी तथा पारदर्शी रीति से करने सहित जनहित में कार्य कर अपने निजी आचरण में ईमानदारी दिखाकर उदाहरण प्रस्तुत करने का संकल्प लिया। इस मौके पर अपर कलेक्टर सीपी बघेल सहित कलेक्टोरेट के विभिन्न विभागों के अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

दरभा क्षेत्र में लिथियम से भरपूर पेगमाटाइट्स मिले

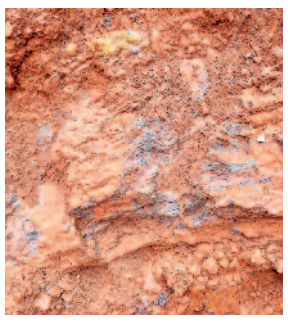

जगदलपुर। बस्तर जिले के आसपास के कुछ हिस्सों में लिथियम से भरपूर पेगमाटाइट्स पाए गए हैं, यह एक शोध है, खनन नहीं हुआ है। प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार यहां 50 हजार टन से अधिक लेपिडोलाइट मौजूद हो सकता है, जिसमें लिथियम की मात्रा लगभग एक फीसदी से 1.85 फीसदी तक है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने भी मध्य भारत में इन लिथियम-समृद्ध क्षेत्रों की पहचान की है। यहां लिथियम-समृद्ध पेगमाटाइट्स के होने के प्रमाण मिले हैं, अभी तक यहां से लिथियम का खनन शुरू नहीं हुआ है। लीथियम एक अहम धातु है, जिससे राज्य और देश विकास की नई दिशा की तरफ अग्रसर होंगे।

आश्रम में रक्तदान शिविर, 85 यूनिट रक्त का संग्रहण

जगदलपुर। शहर के विहंगम योग संत समाज सदा फलदेव आश्रम द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन सिंचाई कॉलोनी स्थित आश्रम भवन में किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने निरीक्षण किया। इसमें महारानी अस्पताल के ब्लड बैंक की टीम डॉ. डिकेश रात्रे के नेतृत्व में 25 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया। इसी तरह मेडिकल कॉलेज की ब्लड बैंक टीम भी चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ के साथ रक्तदान शिविर स्थल पर उपस्थित रहकर लगभग 60 यूनिट ब्लड का संग्रहण किया। डॉ. संजय बसाक ने कहा कि जरुरतमंद व्यक्तियों के लिए रक्तदान करें। इस अवसर पर आश्रम के व्यवस्थापक लाल बहादुर मौर्य, सुनील पिल्ले, हरेश साहू, बलिराम कश्यप, एमबीएस राव, तुलसी बघेल, सुकालू राम साहू, भागीरथी बघेल, रमेश राव, दीपक कश्यप के साथ विहंगम योग संत समाज के बस्तर जिले से आए कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यह जानकारी प्रभारी मीडिया शकील खान ने दी है।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रतियों ने किया व्रत का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

छठ महापर्व का समापन आज पूजा अर्चना और परंपरागत तरीके से छठी मईया के आराधना के साथ संपन्न हुआ। सूर्योदय के पहले बड़ी संख्या में महिलाएं और परिवार के लोग घाट में पहुंच गए। पूजन सामग्री लिए लोग भक्तिमय माहौल में शहर के गंगामुण्डा और अन्य घाट में पहुंचकर सूर्य देवता को अर्घ्य दिया। छठ महापर्व का आज अंतिम दिन था जिसमें उगते सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की मंगल कामना के लिए पूजा अर्चना की जाती है। इस मौके पर भोजपुरी और मिथिला समाज के अलावा अन्य समाज के लोग भी घाट पहुंचे और परंपरागत तरीके से पूजा अर्चना करते हुए सूर्य देवता को अर्घ्य दिया। इस मौके पर जनप्रतिनिधि भी पहुंचे और लोगों को शुभकामनाएं देते परिवार की सुख शांति और समृद्धि की कामना की।

- 4 दिन के छठ महापर्व का मंगलवार को हुआ समापन
- शहर के गंगामुंडा तालाब समेत अन्य घाट में बड़ी संख्या में पहुंचे लोग

घाट पहुंचे नेता कार्यकर्ता

सुबह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव, सांसद महेश कश्यप गंगामुंडा घाट, महादेव घाट, दलपत सागर पहुंचकर व्रतधारियों व समाज के लोगों से मुलाकात कर शुभकामनाएं दी।

नगर निगम ने की थी अच्छी व्यवस्था

छठ पर्व में सबसे ज्यादा भीड़ गंगामुण्डा तालाब में जुटती है। इस इलाके में सबसे ज्यादा बिहार और उत्तरप्रदेश के लोग रहते है जो छठ पर्व में बड़ी संख्या में शामिल होते है। महापौर संजय पाण्डेय और पार्षद लक्ष्मण झा की पहल से महीने भर पहले से तालाब की साफ सफाई के लिए नगर प्रशासन द्वारा जोर शोर से कार्य किया जा रहा था। विशेष तौर पर छठ में शामिल होने वाले के लिए घाट में रेट कार्पेट बिछाया गया था ताकि लोगों को तालाब तक पहुंचने में किसी तरह की असुविधा न हो। यहीं कारण है कि इस साल लोगों को छठ महापर्व के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। लोग बिना किसी परेशानी के अंधेरे में घाट पहुंचे और सूर्य देव को अर्घ्य दिया। निगम प्रशासन द्वारा घाट में रोशनी की भी व्यवस्था की गई थी।

बस्तर के जलवीर अब राष्ट्रीय मंच पर दिखाएंगे अपनी प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- हैदराबाद के हुसैन सागर झील में होगा मुकाबला
- कयाकिंग एवं कैनोइंग प्रशिक्षण केंद्र से हैं प्रशिक्षित

शहर के कयाकिंग एवं कैनोइंग प्रशिक्षण केंद्र से प्रशिक्षित खिलाड़ी अब राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। यह प्रतियोगिता हैदराबाद तेलंगाना में आयोजित होगी। बस्तर जिले से चयनित खिलाड़ी सचदेव बघेल, शंकर पुजारी, बल्ली पुजारी, अनु कश्यप, शिव पुजारी, सागर कश्यप, राजीव भारती, ईशा गोयल, मालती कश्यप, सोनम पुजारी, मुस्कान भारती और मनमती बघेल इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। टीम के साथ प्रभारी कोटेश्वर राव नायडू रहेंगे। अपर कलेक्टर एवं सहायक संचालक, खेल एवं युवा कल्याण विभाग ऋषिकेश तिवारी ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा बस्तर की नदियां अब राष्ट्रीय मंच तक पहुंचने का माध्यम बन रही हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल खिलाड़ियों के लिए प्रतियोगिता नहीं, बल्कि जनजातीय अंचल के युवाओं को खेलों के माध्यम से राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में एक शानदार कदम है। हुसैन सागर झील हैदराबाद में बस्तर के ये जलवीर अपनी प्रतिभा,परिश्रम और जज्बे का प्रदर्शन करेंगे। बस्तर से पहली बार इतने अधिक खिलाड़ी किसी राष्ट्रीय कैनोइंग प्रतियोगिता में चयनित हुए हैं।

अधिकांश खिलाड़ी आदिवासी युवा

इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अधिकांश खिलाड़ी जनजातीय अंचल से आते हैं। प्रशासन और खेल विभाग के प्रशिक्षण से ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ी है। कयाकिंग,कैनोइंग और अन्य जल क्रीड़ाओं में बस्तर के युवा उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

टेलीफिल्म मुट्टी भर जमीन के प्रसारण में बस्तर के कलाकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

टेलीफिल्म मुट्टी भर जमीन का प्रसारण 29 एवं 30 अक्टूबर को सायं 4.30 बजे, रात्रि 8.30 तथा मध्य रात्रि 12.30 बजे डीडी छत्तीसगढ़ के रायपुर केन्द्र से किया जाएगा।

इस टेलीफिल्म के पटकथा इंद्राणी नंदी, प्रोडक्शन मैनेजर सीरम मण्डल एवं कलाकारों में सुबीर नंदी, पूजा बघेल, अनिता ठाकूर, बिरेन्द्र कश्यप, गज शार्दुल, गोविन्द गांगी, दुर्गेश डंकसेना, लक्ष्मीनाथ पानीग्राही, बिक्रम सिंह, आदित्य शार्दूल, शुभम गाईन, सोनम बघेल, सोमा मण्डल एवं सुधीर मण्डल शामिल है।

आयशर ट्रक से रिफेक्टरी मटेरियल की आड़ में की जा रही गांजा तस्करी का भंडाफोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- 17 .43 लाख से अधिक का गांजा व टनफिक्स पेचिंग मास बरामद

नगरनार पुलिस ने ओडिशा बार्डर में जांच के दौरान आयशर ट्रक से रिफेक्टरी मटेरियल की आड़ में गांजा तस्करी कर रहे तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से ट्रक समेत 7.30 लाख से अधिक के गांजा व टनफिक्स पेचिंग मास समेत 17 लाख रूपए से अधिक की संपति बरामद किया है।

गांजा तस्करी की सूचना पर एसपी शलभ कुमार सिन्हा व एएसपी महेश्वर नाग के निर्देश, सीएसपी सुमीत कुमार डी धोत्रे के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह के नेतृत्व में थाना स्तर पर टीम गठित किया गया था। आरोपी द्वारा प्लास्टिक बैग में भरे टनफिक्स पेचिंग मास (रिफेक्टरी मटेरियल) के आड़ में अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा ओडिशा से छग होते हुए भोपाल एमपी ले जाया जा रहा था। टीम को सूचना मिली थी कि गोल्डन ब्राउन कलर का आयशर कंपनी का 1114 ट्रक क्रमांक एमपी 09 जीएच 4428 में अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा परिवहन किया जा रहा है। टीम द्वारा ग्राम धनपुंजी फारेस्ट नाका एनएच 63 मेन रोड के पास पहुंच कर नाकाबंदी कर आने जाने वाले वाहनो को चेक कर रहे थे। इसी दौरान ओडिशा की ओर से आ रहे वाहन को रोककर तलाशी ली गई। ट्रक में सवार आरोपी ने पूछताछ में अपना नाम मुराद साह पिता उस्मान साह 30 वर्ष निवासी ग्राम लखनवास थाना मलावर तहसील ब्यावरा जिला राजगढ़ मध्यप्रदेश का रहने वाला बताया। ट्रेक की जांच करने पर लोड टनफिक्स पेचिंग मास (रिफेक्टरी मटेरियल) से भरे 8 नग बड़ा प्लास्टिक बैग के बीच में प्लास्टिक बोरी व प्लास्टिक थैला में छिपाकर रखा कुल 33 पैकेट गांजा बरामद किया गया। जब्त 73.080 ⏭शेष पेज 12 पर

नक्सलियों के हाथों मारे गए ग्रामीणों को माना जाए नक्सल पीड़ित : मंडावी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- 2 माह में 7 की हत्या, विधायक ने कहा- एफआईआर को नहीं माना जाए आधार

बीजापुर जिले में नक्सलियों के हाथों मारे जा रहे ग्रामीणों की मौत पर बीजापुर के कांग्रेस विधायक विक्रम मण्डावी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर मांग की है कि इन्हें नक्सल पीड़ित माना जाए । इसके लिए एफआईआर को आधार नहीं मानते हुए नक्सल पीड़ितों की तरह मुआवजा व सरकारी नौकरी दी जाए।

विधायक ने पत्र में कहा कि अंदरूनी इलाकों में नक्सलियों द्वारा आए दिन मुखबिरी के नाम पर आदिवासी ग्रामीणों की हत्या की जा रही है। पिछले दो माह में बीजापुर जिले के उसूर ब्लाक के ग्राम उडतामल्ला, मारूढ़बाका, कमलापुर व पाउरगुड़ा में 5 ग्रामीणों की हत्या किए जाने की खबर है। वहीं बीते दिनों नेलाकाकेंर में भी 2 ग्रामीणों की हत्या की जा चुकी है। विधायक ने मांग की है पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता और सरकारी नौकरी देने के लिए एफआईआर को ही पैमाना न माना जाए। कई ग्रामीण डर के कारण ऐसे मामलों की रिपोर्ट पुलिस में नहीं लिखाते। इसलिए ग्राम प्रमुखों, सरपंच और पटवारियों की सूचना को आधार मानते हुए पीड़ित परिवारों को नौकरी व मुआवजा राशि देने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

हत्या के बाद पीड़ित परिवार दशहत में

विधायक मण्डावी ने बताया कि अंदरूनी इलाकों में मुखबिरी के संदेह में ग्रामीणों की हत्या के बाद परिवार दहशत में है। नक्सलियों के भय और धमकियों से परिजनों द्वारा थाने में रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई जा रही है। थाने में रिपोर्ट दर्ज नही होने के कारण पीड़ित परिवारों को मुआवजा राशि एवं सरकारी नौकरी नहीं मिल पाती है। इसलिए ऐसे मामलों में मृतकों के परिजनों को पीड़ित मानते हुए पर्याप्त मुआवजा राशि व सरकारी नौकरी प्रदान की जाए।

ग्राम पंचायत, क्लस्टर स्तर पर रस्सीकशी, कबड्डी, दौड़ आदि स्पर्धा

बस्तर ओलंपिक में उमड़ा उत्साह, 95,580 खिलाड़ियों ने कराया पंजीयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- मांदर में महिला रस्साकशी प्रतियोगिता

बस्तर की धरती इन दिनों खेलों की ऊर्जा और जनभागीदारी से सराबोर है। बस्तर ओलंपिक 2025 का आयोजन अब ग्राम पंचायत क्लस्टर स्तर पर पहुंच चुका है जहां हर गांव और हर मैदान उत्सव के रंगों में रंगा दिखाई दे रहा है। लोहंडीगुड़ा, बस्तर और तोकापाल ब्लॉकों में ग्राम पंचायत क्लस्टर स्तर पर खेल मुकाबले आयोजित किए जा रहे हैं। ग्राम पंचायत मांदर लोहंडीगुड़ा में महिला रस्साकशी प्रतियोगिता से इस उत्सव का शुभारंभ हुआ। महिलाओं ने शानदार प्रतिस्पर्धा के साथ ग्रामीण खेलों की परंपरा को नया जीवन दिया। वहीं ग्राम पंचायत तकरागुड़ा में पुरुष और महिला वर्ग के खिलाड़ियों के बीच कबड्डी, दौड़,खो-खो और वॉलीबॉल के जोशीले मुकाबले हुए।

बस्तर और तोकापाल ब्लॉकों में भी ग्राम पंचायत क्लस्टर स्तर के आयोजन खेल भावना का प्रतीक बन गए हैं। हर गांव में खेलों को लेकर उत्सव का माहौल है। बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सब मिलकर बस्तर ओलंपिक को अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं।

95,580 खिलाड़ियों ने बस्तर ओलंपिक 2025 में पंजीयन कराया है, जिनमें 39,820 महिलाएं और 55,760 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं। इतनी बड़ी भागीदारी बस्तर की खेल संस्कृति और एकजुटता की मिसाल है। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनेश्वर पाण्डेय, खंड शिक्षा अधिकारी शालिनी तिवारी, ग्राम पंचायत मांदर की सरपंच, टाकरागुड़ा पंचायत की सरपंच कमला बघेल, गंगा नाग सर, गीता मंडावी और संतोष श्रीवास्तव सहित अनेक जनप्रतिनिधि, शिक्षकगण, पंच-सरपंच, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा बस्तर ओलंपिक केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि यह बस्तर की एकता, जनभागीदारी और खेल संस्कृति का पर्व है। हर खिलाड़ी अब बस्तर की नई पहचान बन रहा है।

खेल महाकुंभ समूचे बस्तर में आंदोलन का रूप ले चुका

सहायक नोडल अधिकारी अभय माने ने कार्यक्रम का संचालन किया और खिलाड़ियों को अनुशासन, टीम भावना और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। ग्राम पंचायत क्लस्टर स्तर से शुरू हुआ यह खेल महाकुंभ अब पूरे जिले में आंदोलन का रूप ले चुका है। जनसहयोग, उत्साह और ऊर्जा से भरपूर यह आयोजन न केवल खिलाड़ियों को मंच प्रदान कर रहा है। बल्कि ग्रामीण बस्तर में सामाजिक एकता और सकारात्मक परिवर्तन की नई कहानी भी लिख रहा है।

4 सूत्रीय मांग को लैम्पस के कर्मचारी अडिग

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन कमिश्नर को सौंपा गया

सहकारी समिति कर्मचारी संघ बस्तर संभाग के कर्मचारियों ने कमिश्नर डोमन साहू को आज मुख्यमंत्री के नाम 4 सूत्रीय मांग का ज्ञापन सौंपा। जिसमें मांग पूरी नहीं होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी गई है। छत्तीसगढ़ सहकारी कर्मचारी संघ ने ज्ञापन में कहा है कि हर साल धान खरीदी के समय लैम्पस में धान उठाव में देरी होती है। जिससे लैंम्पस कर्मियों को सुखत का नुकसान भरना पड़ता है। आरओ कटने के बाद भी मिलर्स समय पर धान का परिदान नहीं करते है। महीनों तक धान लैंम्पस खरीदी केंद्र में पड़ा रहता है। जिसके चलते बारिश और गर्मी में धान की बोरियों में धान सुखत और भीगकर कम हो जाता है। जिसका खामियाजा लैंम्पस प्रबंधक भुगतते है। कई साल से शासन प्रशासन को यह बात कहीं जा रही है लेकिन हमारी मांग को अनसुना किया जाता है। यदि इस साल हमारी मांग नहीं मानी गई तो अनिश्चितकालिन हड़ताल करेंगे। इसके अलावा अन्य मांग भी ज्ञापन में उल्लेख किया गया है।

धनौरा में चार दिनों तक रही छठ पर्व की धूम

धनौरा। व्रती महिलाओं ने मंगलवार को सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख- समृद्धि व लंबी आयु की कामना की। छठ पूजा का महापर्व 28 अक्टूबर को उषा अर्घ्य के साथ समाप्त हुआ।यह पर्व चार दिनों तक चलता है, जिसमें भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा की जाती है। व्रती डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देते हैं और उनकी कृपा और आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। छठ पूजा परिवार की सुख-समृद्धि और संतान की लंबी आयु के लिए किया जाता है। इस पर्व में व्रती अपने घरों की सफाई करते हैं, नए वस्त्र पहनते हैं, और भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए नदी या तालाब के किनारे जाते हैं। छठ पूजा का महत्व इस प्रकार है कि यह पर्व प्रकृति के महत्व को समझने और उसका सम्मान करने का अवसर प्रदान करता है।

व्रती महिलाओं ने सूर्य को अर्घ्य देकर मांगी परिवार की खुशहाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरसगांव

आस्था और श्रद्धा के महापर्व छठ पूजा का रंग क्षेत्र में खूब देखने को मिला। मंगलवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती महिलाओं ने छठ महापर्व का व्रत पूरा किया। अपने परिवार की खुशहाली और समृद्धि की कामना की गई थी। इसके पहले सोमवार की शाम को पूरी भक्ति के साथ डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया था। चार दिनों तक चलने वाला यह पर्व पूरे क्षेत्र में धार्मिक उल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया है। क्षेत्र में सुबह से ही तालाबों और नदी किनारों पर पूजा की तैयारियां जोरों पर रहीं। महिलाओं ने निर्जला व्रत रखते हुए शाम को विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। पूजा के लिए व्रतियों ने मौसमी फल, बांस की टोकरी, कच्ची हल्दी, अदरक और मिट्टी के दीपक खरीदे। घरों में पारंपरिक प्रसाद जैसे ठेकुआ, चावल और गुड़ से बने पकवान तैयार किए गए। पूजा के समय व्रती महिलाओं ने दीपक जलाकर बांस की टोकरी में पूजा सामग्री रखी और सूर्य देवता को अर्पित किया।

खास बातें

- छठ महापर्व: नगर में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया
- उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पर्व का समापन किया गया

डूबते सूर्य को दिया गया पहला अर्घ्य

सोमवार की शाम जब सूर्य ढलने लगा, तब घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। घाटों पर पारंपरिक गीतों की गूंज और दीपों की रोशनी से पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा। महिलाएं जल में खड़ी होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दे रही थीं और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना कर रही थीं। कई परिवारों ने घाटों पर सामूहिक रूप से पूजा की व्यवस्था की थी।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर हुआ समापन

छठ पर्व का समापन मंगलवार की सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर किया गया। इस मौके पर व्रती महिलाएं अपने घरों में प्रसाद का वितरण करेंगी और सभी के साथ पर्व की खुशियां साझा की।

छठ व्रत का है बड़ा महत्व

स्थानीय निवासी सीमा जायसवाल, जो वर्षों से यह व्रत करती हैं ने बताया कि छठ पूजा सूर्य देवता और छठी मइया की आराधना का पर्व है। यह पर्व प्रकृति, जल, सूर्य और स्वच्छता के प्रति हमारी आस्था का प्रतीक है। नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य इन चारों चरणों के साथ यह पर्व संपन्न होता है।

महिलाओं के अनुसार, छठ पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मसंयम, पवित्रता और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। यह व्रत कठिन माना जाता है क्योंकि व्रती 36 घंटे तक निर्जला व्रत रखते हैं और पूरी श्रद्धा से सूर्य देवता की उपासना करते हैं। वहीं फरसगांव की एक और व्रती महिला मुस्कान जायसवाल बताती हैं, छठ पूजा का पहला दिन नहाय-खाय होता है, जिसमें व्रती स्नान कर शुद्ध भोजन ग्रहण करते हैं।

दूसरे दिन खरना में गन्ने के रस और गुड़ से खीर बनाकर प्रसाद चढ़ाया जाता है। इसके बाद 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है। तीसरे दिन संध्या अर्घ्य और चौथे दिन उषा अर्घ्य देकर व्रत का समापन होता है।/"

पूजा से पहले घाटों पर हुई साफ सफाई

स्थानीय लोगों ने बताया कि इस बार छठ पूजा में पहले की तुलना में अधिक श्रद्धालुओं की भागीदारी रही। महिलाओं और पुरुषों ने मिलकर घाटों की सफाई की और पूजा स्थल को रंग-बिरंगी सजावट से सुसज्जित किया। फरसगांव के बरकई और सोनाबेड़ा नदियों में इस पर्व की रौनक देखते ही बन रही है। डूबते सूर्य की किरणों में खड़ी व्रती महिलाओं की आस्था और जल में झिलमिलाते दीपक का दृश्य हर किसी के मन को भा रहा था।

आस्था का पर्व, एकता का प्रतीक

छठ पूजा केवल पूजा-पाठ का पर्व नहीं, बल्कि यह समाज में एकता और सहयोग की भावना का प्रतीक भी है। सभी समुदायों के लोग मिलकर इस पर्व की तैयारी में सहयोग देते हैं। यही कारण है कि छठ पूजा आज न सिर्फ बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बल्कि देशभर में उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई जाती है। फरसगांव में इस पर्व की भव्यता यह दिखाती है कि समय कितना भी बदल जाए, लेकिन भारतीय परंपराओं की जड़ें आज भी उतनी ही मजबूत हैं। मंगलवार को जब उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पूजा सम्पन्न किया गया।

फरसगांव-पासंगी मार्ग पर पुल निर्माण कार्य शुरू, बनाया वैकल्पिक मार्ग

फरसगांव। फरसगांव से पासंगी मार्ग पर एक नया पुल निर्माण कार्य शुरू होने के कारण यातायात व्यवस्था में अस्थायी परिवर्तन किया गया है। निर्माण कार्य के चलते इस मार्ग पर चारपहिया और भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया गया है।

- चारपहिया और भारी वाहनों की आवाजाही पर लगा प्रतिबंध

जिला प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की है। पासंगी और रांधना जाने वाले वाहन चालकों को चिचाड़ी या बोरगांव मार्ग का उपयोग करने की सलाह दी गई है। एसडीएम फरसगांव अश्वन पुसाम ने बताया कि निर्माण कार्य के दौरान आमजन की सुरक्षा प्राथमिकता में है, इसलिए लोगों से अपील की गई है कि वे निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और कार्य में सहयोग प्रदान करें। पुल निर्माण पूरा होने के बाद आवागमन सुचारू रूप से बहाल कर दिया जाएगा।

गोपाष्टमी महोत्सव की तैयारी को लेकर चलाया सफाई अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गुकोंदल

ग्राम हाटकोंदल में गोपाष्टमी महोत्सव की तैयारियों के तहत ग्रामीणों ने मंगलवार को सफाई अभियान चलाया।

यादव समाज भवन से गुजरने वाली सड़कों की साफ-सफाई की गई और गाँव की गलियों तथा मुख्य मार्गों पर उगे घास और कचरे को हटाया गया। इस सामूहिक प्रयास से पूरा गाँव स्वच्छ और सुंदर दिख रहा है, जिससे गोपाष्टमी पर्व को लेकर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है। समाज के लोगों ने स्वच्छता के प्रति जागरुकता का संदेश देते हुए बताया कि गोपाष्टमी महोत्सव धार्मिक आस्था का भी प्रतीक है।

शोभायात्रा निकाल कर कलार समाज ने मनाई भगवान राजराजेश्वर अर्जुन जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरसगांव

क्षेत्र के कलार समाज द्वारा मंगलवार को ब्लॉक मुख्यालय के जनपद स्कूल मैदान में भगवान राज राजेश्वर सहस्त्र बाहु अर्जुन की जयंती धूमधाम से मनाया गया।

- विधायक ने समाज की एकजुटता पर दिया जोर

मुख्य अतिथि नीलकंठ टेकाम विधायक केशकाल शामिल हुए। सर्वप्रथम समाज के लोग बड़ी संख्या में एकत्रित हुए। जिसके बाद समाज के सभी महिला, पुरुष और बच्चों द्वारा नगर में भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई। यह शोभायात्रा नगर के मुख्य चौक चौराहे से होते हुए वापस कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा। भगवान राजराजेश्वर सहस्त्रबाहु की पूजा अर्चना कर जयंती की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि नीलकंठ टेकाम विधायक केशकाल ने भगवान राजराजेश्वर अर्जुन की जयंती के अवसर पर कलार समाज को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपका समाज एकजुटता का प्रतीक है। उन्होंने समाज में एकजुटता पर जोर दिया और कहा कि कलार समाज को अपने हितों के लिए एक संयुक्त रूप में काम करना चाहिए। समाज की एकता, शिक्षा और युवा सशक्तिकरण पर अपने प्रेरणादायक विचार साझा किए। समाज को सौगात देते हुए विधायक टेकाम ने पिछले वर्ष घोषणा किया हुआ सामाजिक भवन को प्रोसेस में होना बताया।

बीमारियों के प्रति जागरुकता व प्रबंधन में दक्षता जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

लेप्रा सोसायटी और अजीम प्रेम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन के सहयोग से पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बकावंड में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य कर्मियों को कुष्ठ रोग, मलेरिया, फाइलेरिया, टीबी, जेई, सिकल सेल और स्केबीज जैसी सात बीमारियों के उपचार और प्रबंधन में दक्ष बनाना है। कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता सीएचडब्ल्यू, पर्यवेक्षक और स्टाफ नर्सों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. वीके ठाकुर जिला कुष्ठ अधिकारी, बकावंड बीएमओ, लेप्रा सोसायटी से डॉ. ख्याति रेड्डी और शक्ति परियोजना के कार्यक्रम अधिकारी एनएन साहू द्वारा किया गया। इस अवसर पर लेप्रा सोसायटी के अन्य कर्मचारी उमेश पटेल वित्त अधिकारी, ईशा पांडेय संचार एवं प्रलेखन अधिकारी और डॉ. महीपाल मुंडा चिकित्सक भी उपस्थित थे। डॉ. ठाकुर ने कहा कि इन बीमारियों के प्रति जागरूकता और उनके प्रबंधन में दक्षता बहुत जरूरी है। पहले दिन 27 अक्टूबर को कुष्ठ रोग पर सभी कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में बीमारियों के लक्षण, जांच की प्रक्रिया और उपचार की विधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान मरीज की बीमारी को पहचानने के लिए शारीरिक व्यावहारिक जांच के तरीकों को भी बताया गया, जैसे कि मरीज के शरीर पर बीमारी के लक्षणों को देखना। मरीज के शरीर को स्पर्श करके बीमारी के लक्षणों को महसूस करना। मरीज के शरीर की तस्वीरें लेना और उनका परीक्षण करना। शारीरिक व्यावहारिक जांच के तरीकों का उपयोग करके, स्वास्थ्य कर्मी मरीज की बीमारी का समय पर पता लगा सकते हैं और उसका उपचार कर सकते हैं।

- बकावंड में हुआ 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

कंपनी किसानों के रकबा अनुसार काटती है बीमा राशि, सर्वे करने खेत में नहीं आते

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बासनवाही

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लेकर किसानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। किसानों का कहना है कि उनके खातों से बिना पूछे हर साल बीमा की राशि काट ली जाती है। लेकिन जब फसल नुकसान का समय आता है तो बीमा कंपनियाँ जमीन पर उतरने को तैयार नहीं होतीं। इस वर्ष अधिक वर्षा से किसानों के धान के फसल पूरी तरह से जमीन में गिर चुका है। जिसके कारण कीटब्याधि का प्रकोप बढ़ने के कारण पूरी फसल नष्ट हो गया है। बीमा कंपनी का कोई अतापता नहीं है। किसानों ने आरोप लगाया कि कंपनियाँ केवल दिखावे के लिए दो-चार गाँवों में सर्वे कर एक रिपोर्ट बना देती हैं और उसी के आधार पर पूरे ब्लॉक या जिले को आंकलित मान लिया जाता है। ऐसे में जिन किसानों की फसलें बुरी तरह नष्ट हो जाती हैं, उन्हें भी मुआवज़ा नहीं मिल पाता। किसान के नाम से जब बीमा है, तो सर्वे करने किसान के खेत में क्यों नहीं आते है। बासनवाही के किसान संदीप द्विवेदी ने कहा कि हमारे खाते से हर साल बीमा के लिए पैसा काट लेते हैं, पर जब फसल बर्बाद होती है तो कोई देखने नहीं आता।

- सर्वे प्रक्रिया पारदर्शी नहीं होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

बीमा अगर मेरे नाम से है, तो नुकसान का आंकलन भी मेरे खेत में होना चाहिए। मावलीपारा के कृषक सियाराम कोसमा ने बताया कि इस साल बारिश और कीटों से धान की फसल चौपट हो गई, पर कंपनी के अधिकारी गाँव तक नहीं पहुँचे। कागजों में तो राहत दिखाते हैं, लेकिन जमीन पर हालात कुछ और ही हैं। किसान लोकनाथ साहू ने कहा बीमा राशि किसानों की मेहनत की गाढ़ी कमाई से जाती है। कंपनियों को चाहिए कि वे हर खेत में जाकर नुकसान का सही आंकलन करें, औसत रिपोर्ट बनाकर न निपटाएं। क्षेत्र के किसानों ने कहा कि फसल नुकसान का सर्वे खेत-खेत जाकर किया जाए। सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।

जल्द कार्रवाई न हुई, तो करेंगे विरोध

बासनवाही क्षेत्र के किसान लोकनाथ साहू, महेश जैन, भुवन भारती, कोमल साहू, सुकचंद ध्रुव, घासु कश्यप ने चेतावनी दिया है कि यदि बीमा सर्वे प्रक्रिया पारदर्शी नहीं हुई, तो वे सामूहिक आंदोलन करेंगे। किसानों का कहना है कि सरकार ने अगर ध्यान नहीं दिया, तो अगले सीजन में हम बीमा राशि कटवाने नहीं देंगे।

जंगलों से पेड़ों एवं बासों की हो रही अंधाधुंध कटाई

पखांजुर। वन परिक्षेत्र कापसी अंतर्गत गोंडाहूर के जंगलों में हरे वृक्षों एव बंस की कटाई का धंधा जोरो से फल फूल रहा है। तस्कर दीपाली की छुट्टी का भरपूर फायदा उठाते नजर आ रहे है। गोंडाहूर क्षेत्र के जंगलों से रोजाना ट्रैक्टर-ट्रॉलियां में अवैध रूप से परिवहन करके जंगल से खुलेआम दिनदहाड़े बांस ला रहे हैं। यह नजारा कभी भी देखा जा सकता है। गोंडाहूर में शनिवार को दिन दहाड़े एक ट्रैक्टर ट्राली बेधड़क अवैध बांस भरकर परिवहन करते दिखाई दिया। रोक टोक के संबंध में पूछने पर ट्रेक्टर चालक ने कहा ग्राम पंचायत का है और हम न तो वन विभाग ने रोका और न ही किसीने अभी पूछा। हमें तो जब पंचायत वाले बोलते है, तब ले आते है। कौन से पंचायत का है बांस तो बोलता है सामने है गोंडाहूर क्षेत्र में चार पांच पंचायत है, किसको पूछे। देखना होगा इस खबर से वन विभाग के अधिकारी संज्ञान लेते है या फिर तस्कर जंगलों की बेखौफ कटाई करते रहते है।

झिटकाटोला में रोजगार, मूलभूत सुविधाओं और विकास की मांग पर अड़े ग्रामवासी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गुकोंदल

विकासखंड दुर्गुकोंदल अंतर्गत ग्राम पंचायत झिटकाटोला में कलवर माइंस प्रबंधन के खिलाफ ग्रामीणों द्वारा चलाया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन दसवें दिन भी जारी रहा। ग्रामीणों ने माइंस प्रबंधन पर आरोप लगाया है कि वर्षों से क्षेत्र की भूमि, वन और जल संसाधनों का दोहन किया जा रहा है, लेकिन इसके बदले गांव के विकास, मूलभूत सुविधाओं और रोजगार को लेकर कोई ठोस पहल नहीं की गई। ग्रामीणों का कहना है कि माइंस संचालन के दौरान गांव के रास्ते, पर्यावरण और खेतों पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के बजाय बाहरी लोगों को नौकरी पर रखे जाने से गांव के बेरोजगार युवाओं में भारी नाराजगी व्याप्त है। प्रदर्शनकारियों का कहना है हमने अपनी जमीन दी, जंगल-पर्यावरण को खोया, लेकिन बदले में मिला सिर्फ भरोसा और अधूरे वादे। अब वादों से पेट नहीं भरता। ग्रामवासियों की प्रमुख मांगों में माइंस में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता के साथ रोजगार प्रदान किया जाए, गांव की खराब सड़कों की तत्काल मरम्मत की जाए, उप-स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना एवं दवाओं/स्टाफ की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल और विद्युत आपूर्ति की समस्या का समाधान, गांव में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाए। प्रदर्शन में शामिल ग्रामीण महिलाओं ने कहा कि माइंस ने उनकी जमीन और जीवनशैली को प्रभावित किया है, लेकिन बदले में गांव को कोई लाभ नहीं मिला।

- धरना प्रदर्शन का 10 वां दिन

पेज 11 के शेष

आयशर ट्रक से रिफेक्टरी...

किलो मादक पदार्थ गांजा की अनुमानित कीमत 7 लाख 50 हजार रूपए के अलावा 10 लाख रूपए का ट्रक, टनफिक्स पेचिंग मास मोबाईल व नगद रकम समेत कुल 17 लाख 43 हजार 1 सौ रूपए की संपति जब्त किया गया। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा धारा 20 (ख) र(ग) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक रिमाण्ड में जेल भेजा गया।

मामले में इनकी रही अहम भूमिका : ओडिशा से कम कीमत में गांजा लेकर देश के अलग अलग राज्यों में गांजा परिवहन करने तस्करों द्वारा नए नए प्रयोग किए जाते रहे है। इस बार तस्करी के लिए ओडिशा से एमपी ले जाए जा रहे रिफेक्टरी मटेरियल की आड़ में तस्करी का प्रयास किया जा रहा था लेकिन तस्कर पुलिस को चकमा देने में कामयाब नहीं हो सके। गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर लाखों रूपए का गांजा बरामद करने में निरीक्षक संतोष सिंह के अलावा एएसआई दिनेश ठाकुर, प्रधान आरक्षक पीलेश्वरी साहु, राधेलाल कोर्राम, आरक्षक दसरू नाग, यशवंत ध्रुव व विक्रम उरांव की अहम भूमिका रही।

HEALTH TOWN
आयुर्वेदिक कैंसर क्लिनिक
सभी तरह के कैंसर का बिना साइड इफेक्ट के आवुर्वेद एवं पंचकर्म द्वारा संपुर्ण ईलाज
Dr. Rituraj Taank
B.A.M.S.
Nadi vaidya
Sri Sri tattva
Bangalore
पताः चरक हैल्थ क्लिनिक, दुबे कालोनी, मोवा, रायपुर (छ.ग.), 9926644448, 9630053692
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

SHRI KHATU SHYAM JYOTISH

जन्मकुण्डली विशेषज्ञ

पं. रविकांत शर्मा / पं. एस. के. शास्त्री

हर मुश्किल से मुश्किल समस्या का समाधान
"ज्योतिष मेरा काम नहीं, मेरी साधना है"
"जब कहीं ना हो काम, तो हमसे ले समाधान"

ऑफिस आने पर मात्र ₹101/- फोन से परामर्श केवल ₹251/-

व्यापार बढ़ोतरी, किया कराया,
शादी के लिए माता-पिता को मनाना

जब कही ना हों काम, तो हमसे ले समाधान

पं. एस. के. शास्त्री
जन्मकुण्डली विशेषज्ञ

जन्म पत्रिका बनाई जाती है

- नवग्रह आदि समस्त प्रकार के ज्योतिष समाधान
- व्यापार, विवाह, नौकरी में प्रमोशन
- मकान - संतान योग
- दुकान, बच्चो के कैरियर मार्गदर्शन
- कालसर्प दोष निवारण
- प्रेम विवाह, मोहनी
- मांगलिक दोष निवारण

बुकिंग के लिए संपर्क करें : +91 7470674060

असुविधा से बचने के लिए आपॉइंटमेंट लेकर ही मिलें

नोट : मिलने के लिए अपॉइंटमेंट लेना आवश्यक है। मिलने का समय : सुबह 9 से शाम 7 बजे तक

पोलेसाय पारो चौक के पास, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

संपर्क सूत्र :- पं. रविकांत शर्मा एवं पं. एस. के. शास्त्री : +919755964567

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने सत्यनिष्ठा की दिलाई शपथ

बीजापुर। केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा मनाए जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत आज इन्द्रावती सभाकक्ष में शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर संबित मिश्रा ने अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की शपथ दिलाई। कलेक्टर ने कहा कि देश की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक प्रगति के लिए भ्रष्टाचार मुक्त प्रणाली आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे अपने कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखते हुए सदैव ईमानदारी के उच्चतम मानकों का पालन करें तथा जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।
शपथ के दौरान सभी ने संकल्प लिया कि वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में ईमानदारी और कानून के नियमों का पालन करेंगे, सभी कार्य निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से करेंगे तथा अपने आचरण से दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर जागेश्वर कौशल, डिप्टी कलेक्टर उत्तम पंचारी, दिलीप उइके तथा जिले के समस्त अनुभागों के एसडीएम, तहसीलदार एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ई-मार्केटिंग प्लेटफॉर्म सम्बन्धी कार्यशाला कल

जगदलपुर। जिले के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के उद्यमियों, महिला उद्यमियों, स्व-सहायता समूहों और पारंपरिक कारीगरों को डिजिटल सशक्तीकरण और विपणन के नए अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा रैम्प योजना के अंतर्गत ई-मार्केटिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से बाजार विकास सहायता पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 30 अक्टूबर को प्रेरणा हॉल में किया गया है।

चक्रवात तूफान मोंथा ने यात्री ट्रेनो के पहिये रोके, यात्री परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

हीराखण्ड, राउरकेला को रायगड़ा में किया रद्द, पैसेंजर एवं नाईट एक्सप्रेस निरस्त

पूर्व तट रेलवे ने उठाए सुरक्षा कदम

सभी मंडल मुख्यालयों में 247 इमरजेंसी कंट्रोल रूम सक्रिय किए गए हैं। मौसम विभाग से निरंतर समन्वय कर वास्तविक समय के अपडेट किए जा रहे हैं। महत्वपूर्ण स्टेशनों पर पुनर्स्थापन टीमों को तैनात किया गया है । राहत सामग्री भी उपलब्ध कराई गई है। अतिरिक्त स्टाफ को प्रमुख स्थानों पर तैनात किया गया है ताकि परिचालन और यात्रियों की मदद की जा सके। बड़े स्टेशनों पर भोजन, पानी और आश्रय की व्यवस्था की गई है। रिफंड काउंटर और हेल्प डेस्क भी प्रमुख स्टेशनों पर खोले गए हैं।

चक्रवात मोंथा तूफान के मद्देनजर तथा यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूर्व तट रेलवे ने वाल्टेयर क्षेत्र और इससे जुड़े मार्गों पर चलने वाली कई यात्री गाड़ियों को रद्द, परिवर्तित (डाइवर्ट) और संक्षिप्त गंतव्य (शॉर्ट टर्मिनेशन) करने की घोषणा की है। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों और पूवार्नुमानों के आधार पर सावधानी के तौर पर उठाए गए हैं। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन से संचालित होने वाली दर्जनों यात्री ट्रेनो को रद्द किया गया है। तूफान से यात्री ट्रेनो को रद्द और निरस्तीकरण के चलते यात्रियों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। जिन गाड़ियों को रद्द अथवा निरस्तीकरण किया गया इनमे 18515 विशाखापत्तनम, किरंदुल नाइट एक्सप्रेस 27 अक्टूबर को विशाखापत्तनम में रद्द किया गया। जबकि 18516 किरंदुल, विशाखापत्तनम नाइट एक्सप्रेस 28 अक्टूबर को किरंदुल स्टेशन में रद्द हुआ। जबकि 58501 विशाखापत्तनम, किरंदुल पैसेंजर 28 अक्टूबर को विशाखापत्तनम से रद्द किया गया है। वही 58502 किरंदुल, विशाखापत्तनम पैसेंजर किरंदुल में रद्द रहेगी।
58538 विशाखापत्तनम, कोरापुट पैसेंजर 28 अक्टूबर को विशाखापत्तनम से 58537 कोरापुट, विशाखापत्तनम पैसेंजर 28 अक्टूबर को कोरापुट से रद्द की गई है। 18512 विशाखापत्तनम, कोरापुट एक्सप्रेस 27 अक्टूबर को विशाखापत्तनम में रोक दी गई। जबकि 18511 कोरापुट, विशाखापत्तनम एक्सप्रेस 28 अक्टूबर को कोरापुट में रोकी गई। ट्रेन संख्या 18447 भुवनेश्वर, जगदलपुर हिराखंड एक्सप्रेस, जो 27 अक्टूबर को भुवनेश्वर से चली है को रायगढ़ा स्टेशन में रद्द किया गया। ट्रेन संख्या 18107 राउरकेला, जगदलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस,जो 27 अक्टूबर को राउरकेला से चली को भी रायगढ़ा पर ही रद्द किया गया।

घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

वर्तियों ने उगते सूर्य को दिया अर्घ्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

भगवान सूर्य की उपासना का महापर्व छठ पूजा आज उगते सूर्य को अर्घ देने के साथ ही संपन्न हो गया। चार दिवसीय इस पर्व की शुरुआत शनिवार को नहाय-खाय के साथ हुई थी जिसके बाद रविवार को खरना के साथ व्रतियों ने 36 घंटे के निर्जला व्रत की शुरुआत की। सोमवार को संध्या अर्घ्य के बाद आज मंगलवार को उषा अर्घ्य के साथ व्रतियों ने अपना व्रत समाप्त किया। मंगलवार की सुबह से ही नगर के तालाब और जलाशयों के किनारे छठ व्रती महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। व्रती महिलाओं ने उगते सूर्य को अर्घ्य देते हुए अपने व्रत का पारण किया। इस दौरान घाटों पर मंत्रोच्चार और शंख-घंटों की ध्वनि से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

36 घंटे के निर्जला व्रत का पारण

उगते सूर्य को अर्घ देने के बाद व्रती महिलाओं ने अपने परिवार के सदस्यों और समाज के वरिष्ठजनों का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर व्रतियों ने अपने परिवार के सुख-समृद्धि और मंगलकामना के लिए प्रार्थना की।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर 36 घंटे के व्रत का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भानपुरी

भगवान सूर्य की उपासना का चार दिवसीय व्रत छठ महापर्व को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही समाप्त हो गया। भोर से ही भानपुरी ग्राम के बाजार स्थल पर स्थित तालाब में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ लगी रही।
घाट में छठ व्रती महिलाओं ने पानी में खड़े होकर उगते सूर्य को अर्घ्य देकर अपनी 36 घंटे की व्रत का समापन किया। शनिवार से शुरू नहाए खाए के साथ इस महापर्व मे रविवार को खरना बाद महिलाओं ने निर्जला व्रत रख सोमवार को डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। वहीं मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती महिलाओं ने मंगल कामना करते हुए व्रत का समापन किया। छठ घाट में श्रद्धालू के साथ काफी संख्या में ग्रामीण भी उपस्थित थे। अंत में घाट में प्रसाद का वितरण कर एक दूसरे को बधाई दी।

जोश और उत्साह के साथ बस्तर ओलंपिक का भव्य शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

बस्तर संभाग के युवाओं की खेल प्रतिभा को निखारने और उन्हें मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित बस्तर ओलंपिक का जोन स्तरीय प्रतियोगिता का आज बीजापुर जिले में भव्य शुभारंभ हुआ।

- बीजापुर जिले में 43,828 खिलाड़ियों ने कराया पंजीयन

छत्तीसगढ़ शासन की पहल पर आयोजित इस महोत्सव में खेलों के साथ-साथ लोक संस्कृति और पारंपरिक खेलों का संगम देखने को मिल रहा है। बस्तर ओलंपिक पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी चार चरणों जोन, ब्लॉक, जिला एवं संभाग स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। बीजापुर जिले में जोन स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन भैरमगढ़ ब्लॉक के नेलसनार, भैरमगढ़, गंगालूर, नैमेड़ एवं आवापल्ली में किया जा रहा है। इन जोन स्तरीय प्रतियोगिताओं से चयनित खिलाड़ी आगामी विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे।
इस वर्ष बस्तर ओलंपिक को लेकर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। जिले भर से कुल 43,828 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल विधाओं में पंजीयन कराया है, जो इस आयोजन की लोकप्रियता और व्यापक जनभागीदारी को दर्शाता है। जोन स्तरीय उद्घाटन समारोह में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारीगण, शिक्षकों एवं खेल प्रेमियों ने उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। सभी ने इस आयोजन को खेलों के माध्यम से समाज में भाईचारे, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने वाला बताया।

सहस्त्रबाहु जयंती पर निकाली कलश यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भानपुरी

बस्तर अंचल के सभी बस्तरिया पुरोहित बड़े कलार समाज के स्व जातीय सगाजन मिलकर ग्राम बाकेल के सामुदायिक परिसर में उपस्थित होकर संभाग स्तरीय सहस्त्रबाहु जयंती कलार समाज के इष्ट देव की पूजा अर्चना और भव्य कलश यात्रा करके हर्षोल्लास के साथ मनाया। ग्राम देवी माता शीतला के मंदिर से कलश यात्रा निकला और कार्यक्रम स्थल में पहुंच कर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम शुभारंभ किया। सामाजिक प्रमुखों और वरिष्ठजनों को मंचासिन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में जगबंधु नाइक ने समाज की रीति नीति और पुरानी सकारात्मक परंपराओं का पालन कट्टरता से करने की बात कही। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित किशोर कुमार दीवान ने आत्मनिर्भर समाज की स्थापना, संगठन को मजबूती देने, कुटुम्ब प्रबोधन और बस्तरिया पुरोहित बड़े कलार समाज के समृद्धशाली इतिहास, गौरवशाली संस्कृति सभ्यता के बारे में बताया। समाज में देशकाल वातावरण के हिसाब से जागृति की बात भी कही।
कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष, युवक, युवती, बच्चे ग्रामीण, जगबंधु नाईक संरक्षक, सज्जन दीवान संभाग अध्यक्ष, सोन सिंह दीवान उपाध्यक्ष, गजानंद सिंहा समाभीय सचिव, जयपाल सिन्हा , मोसू राम शार्दूल उपाध्यक्ष, सुनील सेठिया, गदमन दीवान, मोहन बैध, उदय बैध, कृष्णा कुमार सेठिया, ह्यूसन दीवान, फूलचंद दीवान, महेश सिन्हा, मुन्ना राम बैध, संतोष बैद्य उपस्थित रहे।

सहशस्त्रबाहु अर्जुन जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक

जगदलपुर। दरभा ब्लाक के ग्राम नेगानार में आज संभागीय कलार समाज (जुगानी) के द्वारा जय सहशस्त्रबाहु अर्जुन जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित पूजा अर्चना कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव शामिल हुयें। विधायक ने पूजा अर्चना में शामिल होकर भगवान से बस्तर एवं प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना करते समाज को शुभकामनाएं दी । उन्होंने कहा कलार समाज ने जिन मांगो को रखा है उसे जल्द पूरा किया जाएगा। समाज को आगे बढ़ाना है।
इस दौरान निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, राजेश श्रीवास्तव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी, जिला पंचायत सदस्य संपति नाग,जनपद अध्यक्ष मानकदई कश्यप, जनपद उपाध्यक्ष हरिप्रसाद, मंडल अध्यक्ष देवीप्रसाद बेंजाम, उपाध्यक्ष संतोष बघेल, गागराराम, अनंत राम कश्यप, सुरीजनाथ जायसवाल, संरपंच रूपमनी, जयमनी मोर्य, दलपत राय, सूनूराम नाग,उजयार राय, शांति राय,मनीषा राय, मंगल साय, मोहन जायसवाल, ईश्वर राय, मुन्ना लाल, कमलोचन जायसवाल, अर्जुन राय, भोला श्रीवास्तव, धर्मेंद्र ठाकुर उपस्थित थे।

- नेगानार में कलार समाज का हुआ वार्षिक कार्यक्रम

बस्तर ओलंपिक में कुर्सी दौड़ और 100 मीटर रेस का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नगरनार

नगरनार ग्राम पंचायत में बस्तर ओलंपिक खेल कराया गया। जिसमे रस्सा कस्सी, 100 मीटर दौड़, कुर्सी दौड़ कराया गया। कुर्सी दौड़ मे गायत्री को पहला और सरस्वती को दुसरा स्थान प्राप्त हुआ। 100 मीटर दौड़ मे हेमबती को पहला, रीना को दुसरा मिला और रस्सा कस्सी मे ललिता बघेल एवं साथी ने जीत हासिल की।
आज के कार्यक्रम मे सरपंच उमाकांतो बघेल, पंच रैनु बघेल, जलंधर नाग, बली सेठिया, सुरज बेसरा, मंन्नुराम एवं ग्रामीणवासी उपस्थित रहे।